तापमान

अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 19.4 डिग्री

हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 19 अप्रैल 2026

10 लाइसेंसी कॉलोनियों में चलेगा पीला पंजा, लोगों ...

8 शोधार्थियों को सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने...

1 — 18 वर्षों से लगातार ज़िले में नं.

अतुलनीय राठ

Raath International School
(Group of Schools)

अतुलनीय परिणाम

24 Years of Excellence in Education

Our Mastery in CBSE Board Result (X) - 2026

Distt. Topper

Bindu Yadav — D/o Mr. Shakti Yadav — **99.2%**

Jiya Yadav — D/o Mr. Pradeep Kumar — **99%**

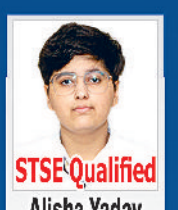

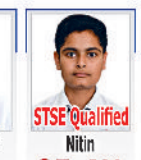

Vainavi, D/o Yogender Kumar — 98%
Daksh, S/o Surender Kumar — 97.8%
Kanak, D/o Ramchandra Yadav — 97.6%
STSE Qualified — Ansh, S/o Deshbandhu — 97.4%
STSE Qualified — Hardik, S/o Rajkumar — 97.2%
IOQM Qualified — Anshu Yadav, D/o Sushil Kumar — 97.2%
Khushboo, D/o Bijender — 97.2%
Nikita, D/o Naveen Kumar — 97.2%
Tamanna, D/o Dharmendar Yadav — 97.2%
Naman Yadav, S/o Dinesh Kumar — 97%
STSE Qualified — Manyata Gupta, D/o Naval Kishor — 97%
IOQM Qualified — Prince Sahu, S/o Umakant Sahu — 97%
Tejal, D/o Sunil Kumar — 97%
IOQM Qualified — Yashu Yadav, S/o Kuldeep Yadav — 97%
Vipul, S/o Rakesh Kumar — 97%
STSE Qualified — Alisha Yadav, D/o Nitin Kumar — 97%
Laxita Shesma, D/o Mahesh Sheshma — 97%
STSE Qualified — Jayant Yadav, S/o Udai Bhan Singh — 97%

STSE Qualified Navmanshi 96.4%, STSE Qualified Jyoti Sheoran 96.4%, Tikshu 96.4%, Tanishka 96.2%, STSE Qualified Divyanshi 96.2%, Komal 96.2%, STSE Qualified Sakshi 96%, STSE Qualified Rudransh 96%, STSE Qualified Tejas Yadav 96%, STSE Qualified Divyanshi 96%, Krish Yadav 96%, STSE Qualified Angel 96%, Khushi 96%, Sahil Yadav 96%, Vandita Yadav 96%, Jatin Kumar 96%, STSE Qualified Nitin 95.4%, STSE Qualified Yameer Yadav 95.4%, Manvi 95.4%, Piyush Kumar 95.2%

Ayaan Goyal 95.2%, Subhi Saini 95.2%, Dipanshu 95.2%, Sarthak 95.2%, Anjani Sharma 95%, STSE Qualified Ojas Yadav 95%, Bhavesh 95%, Sumit Kumar 95%, STSE Qualified Angel Choud. 95%, STSE Qualified Kanika 95%, Aarav Thalor 95%, STSE Qualified Aayush 95%, STSE Qualified Chaitanya 95%, STSE Qualified Deepika Yadav 95%, STSE Qualified Ayushi Yadav 95%, Bhumika 95%, STSE Qualified Dev Taxak 94.4%, Devansh Gupta 94.4%, Kavya 94.4%, Lovely 94.4%

STSE Qualified Khushi Yadav 94.2%, STSE Qualified Avnish 94.2%, STSE Qualified Parv Saini 94.2%, Adarsh 94%, STSE Qualified Janvi 94%, STSE Qualified Chahat 94%, Chaitanya 94%, STSE Qualified Hitansh Yadav 94%, STSE Qualified Jay Kumar 94%, STSE Qualified Manvendra 94%, STSE Qualified Prince 94%, Kanishk 94%, Abhinav 94%, Ansh Yadav 94%, STSE Qualified Pratyush 94%, STSE Qualified Dev Rahuvanshi 94%, Shagun Sharma 94%, Alka 94%, STSE Qualified Shakshi Yadav 94%, STSE Qualified Ayush Yadav 94%

Dev Dristi 94%, Mansi 94%, Urvashi 93.4%, STSE Qualified Tamanna 93.4%, Janvi 93.4%, Riya Yadav 93.4%, Manish Meena 93.2%, Anchika 93.2%, Prince Yadav 93.2%, STSE Qualified Mansi Yadav 93.2%, Harsh 93.2%, Saransh Gupta 93%, STSE Qualified Alisha Gangwar 93%, Anshika 93%, Lakshit Kumari 93%, Muskan Yadav 93%, Akshara Saini 93%, Garima Ratore 93%, STSE Qualified Himanshu Yadav 93%, Khyati Yadav 93%

Kanika Yadav 93%, Yash Choudhary 93%, Shreyan Parashar 93%, Shourya 93%, Anshu Yadav 93%, Anuj 93%, Daksh 93%, Himank 93%, Suhana Yadav 93%, Charitra Singh 92.4%, Ayaan Khan 92.4%, Pratyaksh 92.4%, Bhaumik Ahuja 92.4%, STSE Qualified Tarun Saini 92.4%, STSE Qualified Gaurav Yadav 92.4%, STSE Qualified Aditi Singh 92.4%, Akshra Yadav 92.4%, STSE Qualified Riya Thakran 92.2%, Ishika Rao 92.2%, STSE Qualified Suhana Yadav 92.2%

Kartik Verma 92.2%, Ishika Yadav 92.2%, Vedika Deep 92%, STSE Qualified Nipun Gaur 92%, Harsh Joriya 92%, Harsh Verma 92%, Harsh 92%, Deepti Yadav 92%, Jiya Agarwal 92%, Hardik Yadav 92%, Tanmay Kumar 92%, Nikita Yadav 92%, Anushka Yadav 92%, Neha Yadav 92%, Nishant Singh 91.4%, Suhana 91.4%, STSE Qualified Anika Yadav 91.4%, Ritika 91.4%, Saransh Yadav 91.4%, Divya 91.2%

Dhruv Saini 91.2%, Nikshu 91.2%, Prachi 91%, Mayank Jaiswal 91%, Anushika Yadav 91%, Mahi Yadav 91%, Taniya 91%, Pratika Singodia 91%, Misha Singh 91%, Himanshi 91%, Kartik 91%, Kunal Yadav 91%, Divyanshu 91%, STSE Qualified Chetan 91%, Vipin Kumar 91%, Bhumi Singhal 91%, Sneha Saini 91%, STSE Qualified Ayush Yadav 91%, IOQM Qualified Devansh K 90.4%, Yuvika Choudhary 90.4%

Noor Fatima 90.4%, Sanket Singh 90.2%, STSE Qualified Yatin Kumar 90.2%, Lakshya Yadav 90.2%, Luck Yadav 90.2%, Sweta Yadav 90.2%, STSE Qualified Yuvank Chahar 90%, Kartik Prajapati 90%, Prateek Singh 90%, Tamanna 90%, Divya 90%, Lakshay 90%, Yash Vardhan 90%, Mansi Choudhari 90%, STSE Qualified Bhanu Pratap 90%, Nikunj 90%, Mukul Chauhan 90%, Rohit 90%, Toshika 90%, Sahil Kumar 90%

Prashant Chhillar 90%, Raksha Yadav 90%, Kalpana 90%, Reena Kumari 90%, Subham 90%, Tarun 90%, Aarju Verma 89.4%, Ansh Yadav 89.4%, Gaurav Kumar 89.4%, Soham 89.4%, Daksh Raj 89.4%, Nitin Kumar 89.4%, Neha Yadav 89.4%, Ishan Choudhary 89.2%, Parinita Gupta 89.2%, Anushka 89.2%, Shivi Agarwal 89.2%, STSE Qualified Chirag Yadav 89.2%, Priyanshu Joshi 89.2%, Yashavi 89.2%

ADMISSION OPEN for Nursery to XII
Study Smartly on Digital Boards & in AC Campuses.

50% Scholarship during XI-XII for Students Scoring 95%+ Marks from CBSE/RBSE/HBSE.

Air-cooled Hostel for Boys & Girls at Behror with all Sports Facilities
Chief Warden- 9079621387
For more info. visit: www.raathinternationalschoolsgroup.com
For Reg. Scan QR Code

X Result - Pass-100% Perfect 100 ➜ IT-15, S.St.-5, Maths-4
99 in Sub. :- IT-39, S.St.-23, Maths-12, Sci.-8, Eng.-8, Hindi-2, Music-2
97% Above 20 Students | 90% Above 207 Students | 80% Above 380 Students
95% Above 73 Students | 85% Above 288 Students | 75% Above 464 Students
Sub. Merits - 2565 Students

NEET 295+ Selections | JEE Main 510+ Selections | JEE Advance 115+ Selections | NDA 297+ Selections | NTSE 275+ Selections | STSE 472+ Selections | CUET 202+ Selections | CA 135+ Selections | CLAT 180+ Selections

BEHROR NEEMRANA-8769128418, ALWAR-9887637800, KUND-9352410437, BHIWADI-9257675606

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। अभिभावकों को जानकारी देते हुए शिक्षक।

पेरेंट्स मीटिंग्स में बच्चों की शिक्षा पर चर्चा

खोरी। राजकीय माध्यमिक विद्यालय राजपुरा ईस्तमुरार में शिक्षक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की प्रोग्रेस रिपोर्ट के बारे में चर्चा की गई। मुख्य अध्यापिका संतोष कुमारी ने कहा कि माता बच्चों की पहली गुरु होती है, वह चाहे तो बच्चे का भविष्य निश्चित कर सकती है। इसलिए बच्चों के स्कूल टाइम के बाद की एक्टिविटीज पर ध्यान दें। बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखे। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कुछ माताएं बच्चों के प्रति गंभीर नहीं होती और बच्चे पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। इसलिए अपने बच्चों को घर पर भी पढ़ाई का माहौल दें। इस अवसर पर रेखा यादव स्टाफ सेक्रेटरी, भूप सिंह जेबीटी, रामपाल शिक्षाविद, कुलदीप सिंह, चरणपाल, अनिल कुमार, एसएमसी प्रधान रमाकांत, सरोज कुमारी पीटीआई, रेणु कुमारी, मोनिका शास्त्री, रजनी यादव व बाबू विक्रम सिंह उपस्थित थे।

रेवाड़ी। भ्रमण के दौरान राव तेज सिंह हवेली में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी।

छात्रों ने राव तेज सिंह हवेली का किया भ्रमण

रेवाड़ी। अहीर महाविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से विद्यार्थियों को शनिवार को विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष्य में राव तेज सिंह की हवेली मीरपुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इतिहास विभागाध्यक्ष डा. जय भगवान ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि पूरे विश्व में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई जा सकें। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्मारकों का अवलोकन किया। शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों ने विद्यार्थियों को धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला तथा संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। डा. जय भगवान व जयश्री के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने हवेली का भ्रमण किया और अपने ऐतिहासिक विरासत की संपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

हादसे में बाइक सवार की जान गई

मंडी अटेली। राता कलां के समीप शुक्रवार सायं करीब सात बजे बाइक और गाड़ी की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। राता कलां रोड पर गढ़ी रूथल निवासी करीब 57 वर्षीय जितेंद्र पुत्र संपत सिंह अपनी बाइक पर जा रहे थे, तभी एक गाड़ी से उनकी टक्कर हो गई।

साहित्यिक भ्रमण केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जीवंत इतिहास से साक्षात्कार: प्रो. दिलबाग

शोधार्थियों को सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने के लिए किया प्रेरित

आईजीयू के विद्यार्थियों ने गुड़ियानी स्थित बाबू बालमुकुंद गुप्त की ऐतिहासिक हवेली का भ्रमण कर जाना इतिहास

रेवाड़ी। गुड़ियानी की ऐतिहासिक हवेली में मौजूद आईजीयू के शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से साहित्य-संस्कृति संवाद श्रृंखला के अंतर्गत साहित्यकार बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी के लिए एक दिवसीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को हिंदी साहित्य के स्तंभ बाबू बालमुकुंद गुप्त की विरासत और उनके सांस्कृतिक अवदान से रूबरू कराया गया। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने विवि परिसर से विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक भ्रमण केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जीवंत इतिहास से साक्षात्कार है। बाबू बालमुकुंद गुप्त जैसे मनीषियों के पदचिह्नों पर चलकर ही विद्यार्थी अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व का अनुभव कर सकते हैं। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि ऐसे भ्रमण से विद्यार्थियों का न केवल बौद्धिक विकास होता है, बल्कि वे अपनी जड़ों और गौरवशाली इतिहास से भी जुड़ते हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह ने यात्रा को अकादमिक शोध और सांस्कृतिक चेतना के लिए मील का पत्थर बताया। निदेशक रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. पंकज त्यागी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में अपनी साहित्यिक जड़ों को पहचानना अनिवार्य है। बालमुकुंद गुप्त ने जिस निर्भीकता से शिव शंभू के चिट्ठे लिखे, वे आज के शोधार्थियों के लिए सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा है।इस मौके पर विश्वविद्यालय दल, सरपंच नरेन्द्र और पंचायत सदस्यों ने गुडियानी हवेली में संयुक्त रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. मंजु पुरी ने सरपंच को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। विभागाध्यक्ष ने कहा कि साहित्य केवल किताबों तक सीमित नहीं है, वह समाज और संस्कृति के साथ निरंतर संवाद का नाम है। विवि का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से बाहर निकालकर व्यावहारिक धरातल पर साहित्य से जोड़ना है। यात्रा ने विद्यार्थियों में एक नई ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का संचार किया। इस मौके पर विभाग के सभी प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, नितिन व उषा शामिल थे।

साहित्य-संस्कृति पर हुआ संवाद कार्यक्रम

गुड़यिानी में साहित्य-संस्कृति संवाद के परिप्रेक्ष्य में बाबू बालमुकुंद गुप्त की विरासत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मनोज गोयल ने बालमुकुंद गुप्त के ऐतिहासिक शिवशंभु के चिट्ठे और उनकी निर्भीक पत्रकारिता पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने गुप्त के पैतृक स्थल का भ्रमण किया।

साहित्यकार शुभराम शास्त्री के कुंडलिया संग्रह का लोकार्पण

रेवाड़ी। सीहा स्कूल में पुस्तक लोकार्पण करते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

गांव खालेटा निवासी वरिष्ठ साहित्यकार शुभराम शास्त्री की नव प्रकाशित कृति शुभ कुंडलिया पंचशती का लोकार्पण शनिवार को सीहा के सरकारी स्कूल में किया गया। शिक्षाविद् जयसिंह खोला के मुख्यातिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने की। युवा चेतना संगठन के प्रधान नरेश भारद्वाज मुख्य वक्ता तथा हरियाणा सरकार के एमिनेंट पर्सन विक्रम पांडे व सरपंच प्रतिनिधि दीपक यादव विशिष्ट अतिथि थे। सेवानिवृत्त प्राचार्य रामचंद्र यादव कंवाली, मुख्याध्यापक अभय सिंह प्राणपुरा तथा कवि सैनिक शत्रुघ्न लुहाना के सान्निध्य में लेखक यशपाल आर्य ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने रचनाकार शुभराम शास्त्री के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को साहित्य,समाज एवं संस्कृति के लिए प्रेरणापुंज बताया। इस अवसर पर एससीईआरटी गुरुग्राम द्वारा तैयार की गई विद्यालय की डॉक्यूमेंट्री तथा विद्यालय प्रबंधन का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम में यूके से पधारे सीहा निवासी विद्यालय के पूर्व छात्र अमित आनंद व सुखेंद्र ने अपने छात्र जीवन के संस्मरण रखे। कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ सचिव दिनेश कुमार, प्राध्यापक सतपाल सिंह, रवि कुमार, प्रियंका, प्रदीप चौहान, अनिल कुमार व अजय कुमार मौजूद थे।

पुलिस ने सरकारी विद्यालय के छात्रों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

- पुलिस टीम ने अब तक नशे से पीड़ति 262 लोगों की पहचान की है तथा 79 नशा पीड़तिं का इलाज करवाया

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए पुलिस टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को गवर्नमेंट स्कूल गांव ततारपुर इस्तमुरार व धारूहेड़ा में स्टूडेंट्स व आमजन को नशे से दूर रहने तथा शिक्षा व खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। नशामुक्ति टीम ने एक नशा पीड़ति व्यक्ति की पहचान की, जिसकी काउंसलिंग कराकर डी एडिक्शन सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस टीम ने अब तक नशे से पीड़ति 262 लोगों की पहचान की है तथा 79 नशा पीड़तिं का इलाज कराया गया है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ-साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई नशे की सप्लाई करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करे।

आरआरएन डीएवी के निशांत ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

कोसली। कोसली के आरआरएन डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई के दसवीं कक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने परिजनों व विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्कूल के 23 विद्यार्थियों ने दसवीं परीक्षा में भाग लिया, जिसमें पांच विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। निशांत 96.6 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, चिराग 94.8 प्रतिशत अंक लेकर दूसरे, दिपांशु 92.6 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे, रितिका 92.4 प्रतिशत अंक लेकर चौथे व दिया 92.2 प्रतिशत अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। इनके अतिरिक्त धीरज, जतिन व वैशाली ने भी 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पांच बच्चों ने 85 प्रतिशत से अधिक, चार बच्चों ने 70 प्रतिशत से अधिक और पांच बच्चों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।प्राचार्य ने सभी मेधावियों करे दी बधाई।

शिक्षकों व विद्यार्थियों ने लिया दहेज मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। विद्यार्थियों व शिक्षकों को दहेज विरोधी शपथ दिलाते प्राचार्य।

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के निर्देशानुसार दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

प्राचार्य विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को सामाजिक कुरीति के प्रति सचेत करना और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना रहा। प्राचार्य ने स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को दहेज-विरोधी शपथ दिलााई। इस मौके पर प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने कहा कि विद्यालय का दायित्व केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने कहा कि दहेज प्रथा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो न केवल मानवीय गरिमा का उल्लंघन करती है, बल्कि मध्यम और गरीब परिवारों पर असहनीय आर्थिक बोझ भी डालती है। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा और चरित्र को ही अपनी असली संपत्ति बनाना चाहिए। इस मौके पर व्याख्याता पूजा शर्मा, सुनीता देवी, सोनिया सेतिया, सुनीता कुमारी, ममता, मंजूलता, रिशु, मनीषा यादव, सरोज धनखड़, रंजू बाला, ओमबाला, रीना यादव, सरोज बाला, राजेश यादव तथा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ से अशोक बेरवाल उपस्थित थे।

रेवाड़ी। स्कूल में छात्राओं व कोच को सम्मानित करते हुए।

कबड्डी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटी छात्राओं को किया सम्मानित

बावल(ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल दुल्हेड़ा खुर्द की छात्रा हिमांशी और महक ने पुणे महाराष्ट्र में आयोजित 35वीं राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपने माता-पिता, शिक्षकों, विद्यालय तथा पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता का आयोजन अमेच्योर जूनियर कबड्डी फेडरेशन की ओर से किया गया। शनिवार को स्कूल संचालक, शिक्षकों व ग्रामीणों ने छात्राओं को सम्मानित किया। स्कूल की ओर से छात्राओं को 11-11 हजार रुपये की नकद राशि भेंट की गई, साथ ही छात्राओं के कोच पीटीआई योगेश को उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए 21,000 रुपये प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राव खेमचंद विद्या विहार की दिव्या दसवीं में 97.6 अंक लेकर बनी स्कूल टॉपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल के मेधावी विद्यार्थी शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

गांव बोहतवास अहीर स्थित राव खेमचंद विद्या विहार के विद्यार्थियों ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम देकर विद्यालय, क्षेत्र व परिवार का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य प्रदीप यादव ने बताया कि स्कूल के 208 छात्रों ने दसवीं की परीक्षा दी, जिसमें 108 छात्रों ने मेरिट सूची में स्थान बनाया। छात्रा दिव्या ने 97.6 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम, रीतिक और पलक ने 97 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा और कृष व कशश ने 94.6 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र यादव ने कहा कि स्कूल का शानदार परिणाम बच्चों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर काउंसलर ओपी यादव व मिडिल हेड प्रतिमा पारीक सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

कर्ण हत्याकांड का तीसरा आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

युवक की हत्या करने के बाद शव ट्रेन के शौचालय में डालने के मामले में जीआरपी ने एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। बीते दिनों दिल्ली से आने वाली पैसेंजर ट्रेन के टायलेट से एक युवक का शव बरामद हुआ। शव पर चोट के निशान पाए जाने के कारण जीआरपी ने हत्या का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। बाद में मृतक की पहचान यूपी के नंदराम गांव निवासी कर्ण के रूप में हुई थी। जीआरपी ने रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर जांच करने के बाद हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। इन लोगों ने रंजिश के चलते कर्ण की शराब पिलाने के बाद सिर फोड़कर हत्या की थी। जीआरपी थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस को पता चला था कि हत्याकांड में यूपी के दोराला निवासी आयान भी संलिप्त था। पुलिस ने अब उसे भी गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

सरवन स्कूल में मेधावी छात्रों का किया सम्मान

रेवाड़ी। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज. बावल

नंगली परसापुर रोड़ स्थित सरवन इंटरनेशनल स्कूल का सीबीएसई 10वीं परीक्षा का परिणाम शानदार रहा। स्कूल प्रबंधन की ओर से परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई दी। संचालिका आशा यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को माला पहनाकर और मोमेंटों भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि यह सफलता बच्चों कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों और माता-पिता को दिया तथा आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहने का संकल्प लिया।

हरिभूमि विशेष

नप चेयरमैन की टिकट के लिए पार्टी छोड़ने को तैयार, भाजपा में पहले से ही लंबी कतार

टिकट के लिए भगवा धारण करने को तैयार कांग्रेस पीछे खींच सकती है सिंबल से हाथ

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

सिंबल पर चुनाव लड़ने जा रही भाजपा और कांग्रेस दोनों को अगले तीन दिनों के अंदर चेयरमैन पद के प्रत्याशियों का नाम फाइनल करना है। भाजपा में टिकट के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है, जबकि कांग्रेस की टिकट के लिए चुनिंदा चेहरे की हाथ-पैर मार रहे हैं। टिकट फाइनल होने से ठीक पहले कांग्रेस के कई चेहरे भी भाजपा की टिकट की लाइन में खड़े हो गए हैं, जबकि भाजपा के लिए 'गैरों' को ऐन वक्त पर अपनाना इतना आसान नहीं है। दूसरी ओर शनिवार को दिल्ली में हुई भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सहित दूसरे नेताओं की बैठक में किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनने से रेवाड़ी नगर परिषद का चुनाव सिंबल पर नहीं लड़ने की चर्चाओं ने भी जोर पकड़ लिया। प्रदेशाध्यक्षा राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस बारे में अभी फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन उन्होंने इसके लिए इनकार भी नहीं किया है।

नगर परिषद चेयरमैन के लिए टिकट के दावेदारों की संख्या भाजपा में 20 से ज्यादा मानी जा रही है। दावेदार अधिक होने के कारण पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक नाम फाइनल करने से पहले खूब माथापच्ची करनी पड़ रही है। पार्टी सभी सीनियर और जूनियर नेताओं से विचार-विमर्श के बाद ऐसी प्रत्याशी को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है, जो सभी के लिए के सर्वमान्य हो। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और उनके विरोधी भाजपा खेमे की ओर से खुलकर किसी नाम को सामने नहीं लाया गया है, परंतु ऐसा माना जा रहा है कि टिकट के मामले में राव को दरकिनार नहीं किया जाएगा। पार्टी के कुछ स्थानीय नेता भी अपने-अपने चहेते चेहरों को टिकट दिलाने के लिए पैरवी कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के पास टिकट की फरियाद लगाने कांग्रेस से जुड़े लोग भी पहुंच रहे हैं। ओमप्रकाश थानेदार, पवन बठला, विनय जेलदार और चंदन यादव सहित कई अन्य कांग्रेस पृष्ठभूमि से जुड़े लोग टिकट का जुगाड़ बैठाने के लिए भाजपा की ओर नजरें टिका चुके हैं। इससे यह संकेत तो साफ मिलने शुरू हो गए हैं कि कांग्रेस की बजाय भाजपा का ग्राफ कहीं अधिक बढ़ा हुआ है। टिकट की मांग करने वाले इन चेहरों ने अपनी पार्टी की टिकट के प्रति दिलचस्पी नहीं दिखाई है। कांग्रेसियों की टिकट के लिए फरियाद लगाने की पुष्टि खुद भाजपा जिलाध्यक्ष ने की है।

कांग्रेस में अंदरखाने विरोध के स्वर

कांग्रेस में चेयरमैन की टिकट को लेकर एक पदाधिकारी की पत्नी के चांस ज्यादा नजर आते ही अंदरखाने विरोध के स्वर भी मुखर होने लगे हैं। शीर्ष नेतृत्व के पास शुरू में चार नाम ही गए थे। कांग्रेस में रहते हुए काम निकालने के लिए भाजपा दरबार में भी हाजिरी लगाने वाले नेता की पत्नी को टिकट की चर्चाएं शुरू होते ही पार्टी में भीतरघात की आशंका बढ़ गई है। पिछले चुनावों में भी ऐसा ही हुआ था, जिस कारण कांग्रेस प्रत्याशी को भाजपा प्रत्याशी के सामने मुकाबले में बना रहने का मौका भी नहीं मिला था। पार्टी में बगावत की आशंका से रेवाड़ी में पार्टी सिंबल पर चुनाव लड़ने से हाथ खींच सकती है।

भाजपा में बैठकों का दौर लगातार जारी

भाजपा में रेवाड़ी नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका दोनों निकाय में चेयरमैन पद की टिकट फाइनल करने के लिए लगातार बैठकों का दौर जारी है। शनिवार को धारूहेड़ा में प्रत्याशी फाइनल करने के लिए चुनाव प्रभारी राजेश नागर, सह प्रभारी कमल यादव, जिला प्रभारी नसीम अहमद, जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, पूर्व जिला प्रधान हुकम सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील मुसेपुर व हिमांशु पालीवाल सहित कई नेताओं ने मंत्रणा की। पार्टी किसी भी सूरत में टिकट के मामले में कोताही नहीं बरतना चाहती, ताकि दोनों निकाय में उसी का कब्जा हो सके।

रेवाड़ी अभी निर्णय नहीं

हमने आज अंबाला और सोनीपत के प्रत्याशी फाइनल कर दिए हैं। रेवाड़ी को लेकर अभी कोई निर्णय नहीं हो सका है। रेवाड़ी में चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं इसका फैसला भी जल्द कर लिया जाएगा। इसके लिए एक बार फिर से बैठक की जाएगी। **-राव नरेंद्र सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस।**

पटरी पार करते वक्त सरेली के प्राइमरी टीचर की मौत

नारनौल। रेलवे स्टेशन के नजदीक सायंकाल को करीब पौने पांच बजे एक व्यक्ति डीएफसी लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसके पैर कट गए और मौत हो गई। गांव सरेली निवासी करीब 43 वर्षीय महेश भाटिया कुछ समय से नारनौल रह रहा था और वह एक ढाणी के प्राइमरी स्कूल में सरकारी टीचर लगा हुआ था। शाम को वह रेलवे स्टेशन के नजदीक जब डीएफसी लाइनों को पार कर रहा था, तब अचानक मालगाड़ी आने से चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जीआरपी के आईओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि मृतक के पास से एक डायरी में मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया तो उसकी पहचान महेश टीचर के रूप में हुई। रेलवे स्टेशन के नजदीक सायंकाल को करीब पौने पांच बजे एक व्यक्ति डीएफसी लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसके पैर कट गए और मौत हो गई। परिजनों के आने पर आवश्यक कार्रवाई की गई तथा शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया।

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सड़क हादसों के बाद दर्ज किए गए मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना रामपुरा पुलिस ने 17 अप्रैल को हुए हादसे के बाद घायल के बयान पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में कुंडल निवासी स्कूल वैन चालक लोकेश को गिरफ्तार किया है। थाना सदर बोलेरो की टक्कर से बाइक चालक घायल हो गया था। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद राजस्थान के साचौद निवासी सत्यवीर को गिरफ्तार कर लिया। हादसे में शामिल बोलेरो गाड़ी को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

जाटूसाना। पुलिस ने विवाहिता को दहेज की मांग पर प्रताड़ित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला कुसुम देवी की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थाना के पचहेड़ा निवासी कमल को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत 15 मार्च को हरिजन एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले की जांच डीएसपी पवन कुमार कर रहे थे। जांच के बाद पुलिस ने मामले में आरोपी सूंदरोज निवासी बिरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कोर्ट से घोषित किया गया पीओ काबू

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। अदालत में चल रहे एक मामले में गुरूग्राम के फरुखनगर की बाहरली बस्ती निवासी सतबीर लगातार अनुपस्थित चल रहा था। कोर्ट ने नोटिस देने के बाद उसे पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी धरा

रेवाड़ी। थाना मॉउल टाउन पुलिस ने सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अंसल टाउन में एक व्यक्ति सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने फर्जी ग्राहक बनाकर एक व्यक्ति को काबू कर लिया। आरोपी ने अपना नाम हंस नगर निवासी भीम सिंह बताया। उसके कब्जे से सट्टे के 1050 रुपये और पर्चियां बरामद हुई।

हैफेड व वेयरहाउस ने अब तक 40 हजार क्विंटल व कोसली में वेयरहाउस ने ढाई लाख क्विंटल से अधिक गेहूं खरीदा

अनाजमंडी में 22वें दिन खुला हैफेड का खाता, चार किसानों से एमएसपी पर 47.5 क्विंटल सरसों खरीदी

एमएसपी से भाव ज्यादा होने के कारण सरसों की खरीद आढ़तियों की ओर से प्राइवेट की जा रही

रेवाड़ी। शनिवार को सरसों की खरीद करते हुए हैफेड की टीम व अनाजमंडी में फड पर लगी सरसों की बोरियां व हैफेड की ओर से खरीदी गई सरसों को बैग में भरते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी/कोसली

शनिवार को सरकारी खरीद के 22वें दिन रेवाड़ी अनाजमंडी में हैफेड की ओर से सीजन की पहली सरसों की एमएसपी पर खरीद की गई। हैफेड की ओर से चार किसानों से 47.5 क्विंटल सरसों 6200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदी गई, जिससे 28 मार्च को शुरू हुई सरसों की सरकारी खरीद के बाद हैफेड का खाता खुल गया है। अब तक किसान आढ़तियों को प्राइवेट में 6000 से 6900 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से सरसों बेच रहे थे। रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक 2.5 लाख क्विंटल के करीब प्राइवेट में सरसों की बिक्री हो चुकी है।

अब एजेंसी 70 प्रतिशत तक चमक वाला गेहूं खरीद सकेंगी

एमएसपी से भाव ज्यादा होने के कारण सरसों की खरीद आढ़तियों की ओर से प्राइवेट की जा रही है। जिले की अनाजमंडियों में सरसों की आवक कम होने के साथ गेहूं की आवक बढ़ती जा रही है। सरकार ने भी किसानों को राहत देते हुए गेहूं बिक्री करने के नियमों में छूट दे दी है। अब एजेंसी 70 प्रतिशत तक चमक वाला गेहूं खरीद सकेंगी। एक क्विंटल गेहूं में टूटे व सिकुड़े दानों की मात्रा 15 प्रतिशत तथा डेमेज दानों की मात्रा 6 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है। रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक 40 हजार क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद हो चुकी है, वही कोसली मंडी में 3 लाख क्विंटल के करीब गेहूं की आवक हुई है।

इन किसानों ने बेची सरसो

रेवाड़ी अनाजमंडी में सबसे पहले गांव लालपुर के किसान सतनारायण ने हैफेड को अपनी 8 क्विंटल सरसों बेची। इसके बाद गांव गज्जीवास के किसान रोहताश से 16 क्विंटल, जाटूसाना के किसान कैलाश चंद से 8.5 क्विंटल और बोहतवास अहीर के किसान दलीप सिंह से हैफेड ने 15 क्विंटल सरसों की एमएसपी पर खरीद की। हैफेड की ओर से शनिवार को चार किसानों से 47.5 क्विंटल सरसों खरीदी गई। इसके अलावा हैफेड अब तक 297 किसानों से 11883.5 क्विंटल गेहूं की 2585 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर खरीद कर चुकी है, जिसमें करीब 6 हजार क्विंटल गेहूं का उठान किया जा चुका है। वही वेयरहाउस की ओर से रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक 28 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। शनिवार को वेयर हाउस ने 148 किसानों से 5012 क्विंटल गेहूं की खरीद की।

कोसली मंडी में धीमा चल रहा उठान

कोसली अनाज मंडी में लाखों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा हुआ है। मंडी से खरीदे गए अनाज का भी उठान धीमा चल रहा है। शनिवार को 2520 क्विंटल गेंहू के 72 गेट पास जारी किए गए। मार्केट कमेटी के सचिव विकास कुमार ने बताया कि मंडी में अब तक 293181 क्विंटल गेंहू की आवक हो चुकी है। वेयरहाउस के खरीद अधिकारी जगदीश बांगड़ ने बताया कि कोसली मंडी में अब तक 262074 क्विंटल गेंहू की खरीद की गई है। शनिवार शाम तक 15900 क्विंटल गेंहू खरीदा गया। मंडी से 134345 क्विंटल गेहूं का उठान हो चुका है तथा करीब डेढ़ लाख क्विंटल गेंहू अभी भी मंडी में उठान की इंतजार में है। कोसली मंडी में अभी तक 10770 क्विंटल सरसों की आवक हुई है।

कोसली। अनाज मंडी में उठान के लिए खुले में रखे गेहूं बैग। फोटो : हरिभूमि

अहीरवाल की विरासत से रूबरू हुए छात्र

■ पेंटिंग प्रतियोगिता में आरपीएस इंटरनेशनल ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष्य में अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा तथा मीरपुर ग्राम पंचायत के सहयोग से मीरपुर स्थित ऐतिहासिक राव तेज सिंह हवेली में फोटो एवं पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और हरियाणा व अहीरवाल की समृद्ध विरासत से रूबरू हुए। फोटो प्रदर्शनी का नेतृत्व संस्था के सचिव मुकेश सुल्तानिया ने किया, जबकि वरिष्ठ कलाकार अमन राव की ओर से बनाई गई विरासत विषयक पेंटिंग्स ने आकर्षण का केंद्र रही। संस्था की अध्यक्षा प्रियंका यादव ने बताया कि प्रदर्शनी में 20 से अधिक स्कूलों व कॉलेजों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा ऐतिहासिक हवेली का भ्रमण भी किया। संस्था के कोषाध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर डा. सुशांत यादव ने मंच संख्खलन करते हुए विद्यार्थियों को हवेली और रेवाड़ी के इतिहास के बारे में जानकारी दी।

रेवाड़ी। राव तेजसिंह हवेली में प्रदर्शनी का अवलोकन करते विद्यार्थी।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

प्रतियोगिता को दो समूहों में विभाजित किया गया। पहला समूह कक्षा 8 तक तथा दूसरा समूह कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों का रहा। समूह एक की पेंटिंग प्रतियोगिता में आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल से अर्पणा ने प्रथम, दक्षिता ने द्वितीय और खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह-दो में राज इंटरनेशनल स्कूल से भावी ने प्रथम, गोल्डन वैली स्कूल से हीरल ने द्वितीय और बीएमएन सीनियर सैकैंडरी स्कूल से साक्षी ने तसरा स्थान पाया। स्केच प्रतियोगिता समूह-एक में गोल्डन वैली स्कूल से हिमांशु ने प्रथम, दामोदर ने द्वितीय और पवन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

फ्लैट बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी करने के मामले में दूसरा आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने बीते वर्ष जून माह में गांव भोतवास भोंदू निवासी एक व्यक्ति से फ्लैट बुकिंग के नाम पर लगभग 6.19 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला लखनऊ के फैजुलागंज के आदर्श नगर निवासी उदय पाण्डेय के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 28 जुलाई को गांव भोतवास भोंदू निवासी कुलदीप शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसके पास 3 जून 2025 को व्हाट्सएप कॉल आई थी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

कॉल करने वाले ने उसे घर बैठ काम करते हुए पैसा कमाने का लालच दिया था। उसने इसके लिए मना कर दिया। दो-तीन दिन बाद उसे टेलीग्राम पर एबीसीसी प्रोजेक्ट के बारे में फ्लैट बुकिंग प्रोजेक्ट में पैसा लगाने को कहा गया। उसके पास एक लिंक भेजकर उसे प्लान समझाया गया। उसने झांसे में आकर 8 ट्रांजेक्शन के जरिए 6 लाख 19 हजार 89 रुपये बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसने फ्लैट बुकिंग का लेटर या रसीद मांगी, तो उन लोगों ने रसीद या लेटर नहीं दिए। जब उससे और अधिक पैसे की मांग की गई, तो उसे ठगी का पता चला।

जर्जर सड़क को ठीक कराने की मांग सीएम व पीडब्ल्यूडी मंत्री को भेजा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

खंड धारूहेड़ा के गांव अलावलपुर से होकर ततारपुर खालसा व गांव भटसाना को जाने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क की हालत दयनीय हो चुकी है। जर्जर सड़क के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। गांव खरखड़ा निवासी प्रकाश यादव ने समस्या के सामधान के लिए मुख्यमंत्री, लोक निर्माण विभाग मंत्री तथा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को शिकायत पत्र भेजकर जल्द कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में है और जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह टूट चुकी है, जिससे आवागमन कठिन और जोखिम भरा हो गया है। इस मार्ग से रोजाना हजारों ग्रामीणों का आवागमन होता है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकाश ने विशेषकर बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों को जर्जर सड़क से ज्यादा परेशानी है।

रेवाड़ी। गांव अलावलपुर की जर्जर हालत में सड़क। फोटो : हरिभूमि

सैनिक स्कूल में हुई अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में सह-शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत समूह 'अ' कक्षा 9- से 12 व समूह 'ब' कक्षा 7 से 8 की अंतरसदनीय अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग के लिए वाद-विवाद का विषय 'किसी राष्ट्र के लिए आर्थिक विकास की तुलना में एक मजबूत रक्षा प्रणाली अधिक महत्वपूर्ण है' तथा कनिष्ठ वर्ग के लिए विषय 'सफलता के लिए अनुशासन, बुद्धिमत्ता से अधिक महत्वपूर्ण है' रखा गया। वर्गवार 12-12 प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष-विपक्ष तथा इसके समर्थन-विरोध में उत्कृष्ट वक्तृत्व कौशल और प्रेरक तर्कों की दलीलें प्रस्तुत कर विषय पर मंथन किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य व प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल जय सिंह राठौड़ थे, साथ ही उप प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी एवं वरिष्ठ अध्यापक गजेंद्र सिंह चौहान ने भी शिरकत की। प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका रविंद्र कुमार, डा. विनय कुमार भटनागर व अरविंद कुमार ने निभाई।

रेवाड़ी। विजेता कैडेट्स को पुरस्कृत करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

ये रहा परिणाम

अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में कैडेट हिमांशु परेरा सदन ने प्रथम, कैडेट माधवी परेरा सदन ने द्वितीय व कैडेट आयुष सैनी कटारी सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं कनिष्ठ वर्ग में कैडेट हिरल महलान कटारी सदन ने पहला, कैडेट भावना कटारी सदन ने दूसरा व कैडेट मंत्रम अर्जन सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। संयुक्त परिणामों के आधार पर कटारी सदन विजेता रहा, जबकि परेरा व सुब्रोतो सदन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के छात्र अध्यक्ष व प्रभारी कैडेट आयुष श्रीवास्तव थे। मंच संचालन कैडेट आदित्य सोनी व कैडेट नितिन ने किया। मुख्यातिथि ने विजेता कैडेट्स को प्रमाण-पत्र व पुस्तकें देकर सम्मानित किया।

दमकल विभाग के हड़ताली कर्मचारियों की जायज मांगों का भी समर्थन किया

श्रमिकों की मांगों के समर्थन में एआईयूटीयूसी व एआईटीयूसी का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी व एआईटीयूसी की ओर से शनिवार को शहर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में प्रदर्शन करके मानेसर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नोएडा व अन्य औद्योगिक मजदूरों की मांगों का समर्थन किया। संगठनों के सदस्यों पुलिस प्रशासन की ओर से मजदूरों पर अत्याचार के खिलाफ रोष प्रकट किया। उन्होंने दमकल विभाग के हड़ताली कर्मचारियों की जायज मांगों का भी समर्थन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक ज्ञापन भी प्रेषित किया। इस मौके पर एआईयूटीयूसी के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड राजेंद्र सिंह ने मानेसर, गुरुग्राम, पलवल व फरीदाबाद सहित अन्य औद्योगिक मजदूरों की वेतन वृद्धि व कार्य स्थल पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांगों को पूरा करने की मांग की।

रेवाड़ी। श्रमिकों की मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए।

गैस सिलेंडर की कीमत आसमान छू रही है व दूसरी अन्य जरूरत की चीजें भी महंगी हैं

महंगाई के दौर में जहां गैस सिलेंडर की कीमत आसमान छू रही है और दूसरी अन्य जरूरत की चीजे भी महंगी है, उसमें एक मजदूर को मात्र 15220 रुपये महीने के बहुत कम है। उन्होंने सरकार से मांग की की मजदूरों को कम से कम 30000 न्यूनतम वेतन दिया जाए, आंदोलन के दौरान और बाद मे भी श्रमिकों पर किए जा रहे पुलिस दमन को तुरंत रोका जाए, गिरफ्तार मजदूरों को रिहा किया जाए, मजदूरों पर बनाए झूठे मुकदमे वापस लिए जाए और दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। एआईटीयूसी के जिला प्रधान सतीश नाहड़ ने घायल श्रमिकों का इलाज कराने व उन्हें मुआवजा देने की मांग की। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव शेरसिंह मीरपुर ने भी विचार रखे। इस मौके पर भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन के जिला प्रधान अशोक कुंभावास, आशा कार्यकर्ता यूनियन की जिला सचिव संतोष यादव, कृष्णा देवी, निर्मला, एआईटीयूसी के नेता सुरेश, रेखा सुमन, दमकल कर्मचारी यूनियन के नेता रामकुमार शर्मा, नरेन्द्र, धर्मेंद्र, रामौतार व हेमंत सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 अभियान को लेकर की बैठक

रेवाड़ी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अमित वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को पैनल अधिवक्ताओं, मिडिएटर्स तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स की बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीजेएम वर्मा ने सदस्यों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी पैनल अधिवक्ताओं, मध्यस्थों एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स से आह्वान किया कि वे आगामी 9 मई को होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यमेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना तथा आमजन को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न अदालतों में लंबित उपयुक्त मामलों को मध्यस्थता केंद्र, रेवाड़ी में भेजा जा रहा है, जहां समझौते के माध्यम से विवादों का निपटारा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सूचना

मैं, सविता पत्नी स्व. रामकरण निवासी 1806, नई बस्ती, रेवाड़ी, तहसील व जिला रेवाड़ी, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा पुत्र मनोज व पुत्रवधु अंकिता मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं इन्को अपनी चल अचल संपति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके साथ लेन-देन, कानूनी-गैर कानूनी कार्य व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

स्टिल्ट प्लस-4 पॉलिसी पर हाईकोर्ट के आदेशानुसार होगी कार्रवाई

लाइसेंसी कॉलोनियों में चलेगा पीला पंजा, लोगों के पास 3 दिन का मौका

- 22 अप्रैल तक कॉलोनियों में साफ कराया जाएगा अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सचिवालय के पीछे स्थित जिला योजनाकार कार्यालय। *फोटो : हरिभूमि*

लाइसेंसी कॉलोनियों में सीमा से अधिक जगह पर रैंप, ग्रीन बेल्ट व लॉन बनाकर अतिक्रमण करने वाले लोगों पर जल्द ही कार्रवाई शुरू होने जा रही है। इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को खुद अतिक्रमण हटाने की सलाह दी गई है। इसके बाद सोमवार से दो दिन तक जेसीबी चलाकर सड़कों को साफ कर दिया जाएगा। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के स्टिल्ट प्लस-4 पॉलिसी पर दिए गए आदेशों के बाद प्रदेश सरकार की ओर से सभी जिलों के डीटीपी को कार्रवाई करने के लिए पत्र जारी किए जा चुके हैं। निकाय चुनावों की आचार संहिता लागू होने के चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिस पर जल्द फैसला लिया जाएगा।

लाइसेंस शुदा कॉलोनियों में सड़कों के दोनों ओर से वहां के निवासियों ने बागवानी, ग्रीन बेल्ट, लॉन और चबूतरे बनाकर अतिक्रमण किए हुए हैं। इनसे कॉलोनियों के अंदर की सड़कें संकीर्ण हो चुकी हैं। हाईकोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सख्त आदेश जारी किए थे। प्रदेश सरकार की ओर से ऐसे निर्माण या अतिक्रमण करने वाले लोगों को राहत देने के लिए स्टिल्ट प्लस-4 पॉलिसी बनाई थी। हाईकोर्ट ने इस पॉलिसी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए कॉलोनियों में किए गए अतिक्रमण को हटवाने के आदेश जारी किए थे। इसके बाद प्रदेश सरकार की ओर से गत 16 अप्रैल को सभी जिलों के डीटीपी को इस दिशा में सर्वे करने के बाद तुरंत अतिक्रमण हटवाने के लिए पत्र जारी कर दिए। चूंकि प्रदेश सरकार की ओर से 22 अप्रैल को हाईकोर्ट में हल्फनामा दायर करना है, इसलिए इस अवधि से पहले कॉलोनियों के अतिक्रमण हटवाने के आदेश दिए गए हैं। इन कॉलोनियों के साथ-साथ एचएसवीपी भी अपने सेक्टरों में इस तरह की कार्रवाई को अंजाम दे सकता है।

कॉलोनियों में हो रहा अतिक्रमण

डीटीपी की ओर से कराए जा रहे सर्वे के अनुसार बीएमजी सोसायटी, सनसिटी, गुरूटेक और दूसरी कई लाइसेंस शुदा सोसायटी में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण किए हुए हैं। कई स्थानों पर लॉन बनाए हुए हैं, तो कई स्थानों पर ग्रीन बेल्ट बनाकर सीमा से बाहर अतिक्रमण किया हुआ है। अब ऐसे अतिक्रमणों पर जल्द कार्रवाई शुरू होने जा रही है।

शुरू कराया सर्वे

पत्र मिलने के बाद डीटीपी विभाग की ओर से कॉलोनियों का सर्वे शुरू कराया गया है। इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों से अपील की गई है कि वह खुद अतिक्रमण हटा लें। ऐसा नहीं करने पर विभाग की ओर से एक्शन लिया जाएगा। जो लोग अतिक्रमण हटवाने की राह में बाधा पहुंचाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आचार संहिता लागू

सूत्रों के अनुसार चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद नियमानुसार अतिक्रमण या कब्जे हटाने की कार्रवाई नहीं की जा सकती। निकाय चुनावों को लेकर शहर में आचार संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में विभाग के अधिकारी यह तय नहीं कर पाए हैं कि अतिक्रमण हटाया जाएगा या आचार संहिता खत्म होने का इंतजार किया जाएगा।

सर्वे का कार्य तेजी से जारी

सरकार की ओर से पत्र जारी किए जाने के बाद विभाग सर्वे कराकर उन स्थानों का चिन्हित कर रहा है, जहां लाइसेंसी कॉलोनियों में अतिक्रमण किया हुआ है। जल्द ही स्थानीय नेताओं और डीसी से बात करने के बाद अतिक्रमण की कार्रवाई को लेकर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

-मंदीप सिहाग, डीटीपी।

चार दिन से लगातार चढ़ा रहा पारा गर्मी जमकर छुड़ाने लगी पसीना

आज मौसम में परिवर्तन की संभावना, बादलों के बीच बूंदाबांदी के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| !!!

रेवाड़ी। शनिवार को तेज धूप में छाते से बचाव करती जाती महिलाएं।

अप्रैल माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी प्रचंड रूप में सामने आने लगी है। लगातार तीन दिन से पारा चढ़ रहा है। रात के तापमान में मामूली गिरावट से कुछ राहत मिल रही है। मौसम में रविवार को एक बार फिर बदलाव की संभावना जताई जा रही है। आसमान में बादलों के बीच तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। दोपहर तक भारी गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया। गर्म हवाओं ने लोगों को खूब परेशान किया। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 42.0 डिग्री पर पहुंच गया। इस सीजन में यह सर्वाधिक तापमान है, जिस कारण शनिवार सीजन का सबसे गर्म दिन साबित हुआ। रात का तापमान 2.4 डिग्री की गिरावट के साथ 19.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे रात के समय गर्मी का असर कम हो गया। दिन में 14 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे पूर्व शुक्रवार सायं मौसम में अचानक बदलाव आने के बाद कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई थी। शनिवार को भी शाम के समय आसमान में आंशिक बादल छा गए। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता 19 अप्रैल को मौसम में एक बार फिर बदलाव ला सकती है। आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। साथ ही तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश भी हो सकती है।

फसल निकालने का कार्य अंतिम चरण में

गेहूं और सरसों की फसल निकालने का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। बादल छाने के बाद इस कार्य में और तेजी आ जाती है। किसान बारिश की आशंका के चलते जल्द से जल्द फसल निकालकर मंडी या घर पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस समय अगर बारिश होती है, तो फसल निकालने का कार्य प्रभावित हो सकता है। एक अनुमान के अनुसार 80 प्रतिशत से अधिक किसान अपनी फसलें निकाल चुके हैं।

बिजली की मांग में होगी तेजी से वृद्धि

अभी तक मौसम अनुकूल रहने के कारण बिजली की मांग में कमी दर्ज की जा रही थी। दैनिक खपत 65 लाख यूनिट के आसपास चल रही थी। गर्मी बढ़ने के कारण एसी और पंखों के साथ कूलर भी चलने शुरू हो गए हैं। इससे घरेलू क्षेत्र में बिजली की मांग बढ़ने लगी है। आने वाले दिनों में मांग बढ़ने पर लोगों को पावर कटों का सामना भी करना पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र में भी जल्द ही बिजली की मांग में वृद्धि होने की संभावना है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत,शव परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली रेलवे लाइन पर कुंभावास के पास शुक्रवार की रात ट्रेन की चपेट में आने से एक एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। खासापुरा मोहल्ला निवासी लगभग 25 वर्षीय हर्ष किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था। वह देर रात घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। काफी प्रयास करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। वहीं जीआरपी को सूचना मिली थी कि कुंभावास के पास लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद जीआरपी ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। देर रात हर्ष के परिजन भी वहां पहुंच गए। उन्होंने मृतक की पहचान हर्ष के रूप में कर दी। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जीआरपी ने शव परिजनों को सौंप दिया।

होटल में पार्टी करने आए थे कंपनी कर्मी, एक की हार्ट अटैक से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रजवाड़ा होटल में पार्टी करने के लिए आए कंपनी के कर्मचारियों में से एक की हर्ट हटैक से मौत हो गई। इससे अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। उन्हें पार्टी बीच में ही छोड़कर अस्पताल जाना पड़ा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

बावल की एक कंपनी में कार्यरत कई कर्मचारी आपस में मिलकर पार्टी करने के लिए शुक्रवार की रात होटल पर आए थे। कर्मचारियों के बीच जमकर मस्ती का माहोल बना हुआ था। कुछ देर बाद ही झज्जर के रायपुर निवासी कंपनी कर्मचारी लगभग 58 वर्षीय अशोक कुमार के सीने में दर्द शुरू हो गया। वह बेसुध होकर गिर गया। इससे दूसरे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कर्मचारी उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

श्रेसर में आने से किसान की दर्दनाक मौत, शरीर के उड़ गए चिथड़े, मातम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

खुर्शीद नगर में शुक्रवार की रात फसल निकालते समय एक किसान की श्रेसर में आने से दर्दनाक मौत हो गई। शरीर के चिथड़े उड़ गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

लगभग 52 वर्षीय किसान देर सायं श्रेसर से गेहूं की फसल निकलवा रहा था। अचानक उसका हाथ श्रेसर में फंस गया। इसके बाद श्रेसर ने उसके शरीर को अंदर खींचना शुरू कर दिया। फसल निकलवा रहे दूसरे लोगों ने तुरंत श्रेसर बंद कराया। तब तक उसका सिर मशीन में कुचला जा चुका था। सूचना मिलने के बाद कोसली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। किसान के शरीर के चितड़े उड़ गए। शरीर के चितड़े तूड़ी के रास्ते बाहर निकल गए। पुलिस ने रात को ही शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

लायंस क्लब ने रेलवे स्टेशन पर भेंट की व्हीलचेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लायंस क्बल ने सामाजिक सेवा के क्षेत्र में पहल करते हुए शनिवार को रेलवे स्टेशन पर आने वाले बुजुर्गों व दिव्यांजनों की सुविधा के लिए दो व्हीलचेयर भेंट की गई। क्लब के अध्यक्ष लायन ऋषि सिंहल ने कहा कि लायंस क्लब सदैव समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए तत्पर रहता है और आगे भी इस प्रकार के सेवा कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम में लायन ओपी गुप्ता, लायन रितेश भार्गव, लायन संदीप गोयल, लायन जितेश गोयल, लायन आलोक सिंहल, लायन राकेश गर्ग, लायन मोहित गोयल व लायन दीपक अग्रवाल सहित रेलवे अधिकारी एआरओ जितेंद्र सिंह यादव, एसएस सत्यवीर सिंह, सीएमआई आरके शर्मा, एसएसई शशि पुनिया, एसएसई सौरभ कुमार मीणा तथा जीआरपी रेलवार्डन सचिव रमेश वशिष्ठ उपस्थित थे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 19 अप्रैल 2026

विशेषः पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

{ आवरण कथा / रजनी अरोड़ा }

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

{ अवेयरनेस / लोकमित्र गौतम }

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ताः पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआतः पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आजः पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकटः पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्णः पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

{ कविता / घमंडीलाल अग्रवाल }

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गालियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
ठेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गज़ल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

{ व्यंग्य / पूरन सरमा }

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें। सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

मजदूर

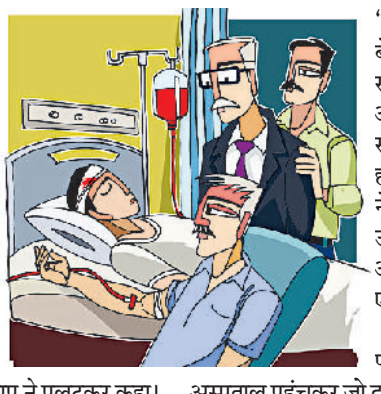

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

हो सकता है आपने कुछ नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की यात्रा की हो। लेकिन अगर आप दुनिया के सबसे अनूठे नेशनल पार्क का अनुभव लेना चाहते हैं तो आपको मणिपुर स्थित तैरते हुए नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ की यात्रा करनी होगी। इस अनोखे नेशनल पार्क की विशेषताओं के बारे में जानिए।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ
नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ

टूरिस्ट प्लेस
समीर चौधरी

मणिपुर की लोकटक झील के दक्षिण हिस्से में कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क यानी राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में, इंफाल से लगभग 50 किमी. की दूरी पर यह पार्क 40 वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह लुप्तप्राय संगाई हिरण (नृत्य करने वाला हिरण) का अकेला प्राकृतिक घर है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था (मत्स्य पालन, जल विद्युत) के लिए भी मायने रखता है।

जैव-विविधता से भरपूरः कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह अपनी विशिष्ट तैरती फुमदिस और यहां खास तौर से पाए जाने वाले संगाई हिरण के लिए भी विख्यात है। फुमदिस सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और जड़ों का तैरता हुआ समूह होता है। यह झील के पानी के ऊपर तैरता रहता है, जिसमें 450 से अधिक जलीय वनस्पतियों की प्रजातियां, जंगली सूअर, हॉग हिरण, बड़ी भारतीय सिवेट जैसे जीव पाए जाते हैं। नवंबर से मार्च के बीच इस पार्क में प्रवासी पक्षी भी आते हैं, इसलिए यात्रा करने का यही सबसे अच्छा समय माना जाता है।

अपने-आप में अनूठा राष्ट्रीय उद्यानः कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, एक ऐसी जगह है, जहां प्रकृति ने अपने नियम नए सिरे से लिखे हैं, जिसकी वजह से नाजुक, तैरता हुआ एक अजूबा भूखंड बन गया है। इस अलौकिक लैंडस्केप में मणिपुर का नृत्य करने वाला संगाई हिरण घूमता हुआ दिखता है, जिसके तेज गति से दौड़ते कदम, तैरते घास के मैदान पर बहुत आकर्षक लगते हैं। एक जमाना था जब यह माना जाने लगा था कि संगाई हिरण विलुप्त हो गया है। ऐसे में यहां उनके बचे रहने की संभावना ने नई उम्मीद को जगाया है, दरअसल, अनोखी प्राकृतिक संरचना फुमदिस की स्थिरता का यहां के जीवों के लिए बहुत महत्व है। न सिर्फ हिरण के लिए बल्कि उस पूरे ईकोसिस्टम के लिए भी, जो पृथ्वी पर कहीं और है ही नहीं।

बढ़ रही नाचते हिरण की संख्याः सन् 1954 तक यह मान लिया गया था कि संगाई हिरण की प्रजाति लुप्त हो गई है। संगाई तैरते फुमदिस के अतिरिक्त कहीं भी जीवित नहीं रह सकता है। इसकी वजह शिकार और फुमदिस का खत्म होना माना गया। इसके लगभग दो दशक बाद सन् 1974-75 के बीच किए गए हवाई सर्वे के दौरान उम्मीद की किरण जागी। कीबुल लामजाओ के तैरते फुमदिस में लगभग 14 संगाई देखे गए, जिसकी वजह से इनके संरक्षण प्रयासों में नया जोश आया और सन् 1995 तक इनकी संख्या बढ़कर 155 हो गई, जो सन् 2016 में 260 तक पहुंच गई। तैरते फुमदिस पर संगाई की नजाकत भरी चाल ने ही इसे 'नाचते हिरण' का नाम दिया है।

इसलिए मिला राष्ट्रीय उद्यान का दर्जाः संगाई की खोज के बाद ही भारत सरकार और मणिपुर की सरकार ने वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 के तहत 1977 में कीबुल लामजाओ को 'राष्ट्रीय उद्यान' (नेशनल पार्क) घोषित किया। संगाई हिरण और उसके प्राकृतिक आवास स्थल यानी फुमदिस के लिए यह कानूनी सुरक्षा जरूरी थी। संगाई केवल एक प्रजाति नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जड़ों वाला पशु है, जिसने हजारों वर्षों के दौरान तैरते फुमदिस पर रहने के लिए खुद को ढाल लिया है और यह लैंडस्केप व मणिपुर के लोगों के बीच गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करता है।

मौजूद हैं कई चुनौतियांः इस अनोखे राष्ट्रीय उद्यान के समक्ष कई इकोलॉजिकल चुनौतियां हैं। लोकटक हाइड्रोइलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट कृत्रिम रूप से पानी के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे फुमदिस चक्र बाधित होता है और यहां के तैरते हुए ईकोसिस्टम की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है। गौरतलब है कि कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान को परिभाषित करने वाला फीचर उसका तैरता इकोसिस्टम ही है, जो संगाई को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। एक ताजा अध्ययन में मणिपुर के इस आइकॉनिक हिरण के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से 2070 तक फुमदिस सिकुड़ जाएगा और जब फुमदिस नहीं होगा, तो संगाई का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। *

फुमदिस से जुड़े दिलचस्प तथ्य

फुमदिस वनस्पति, मिट्टी आदि की तैरती हुई मोटी परत होती है, जोकि जलीय पौधों और अन्य चीजों से मिलकर हजारों वर्षों में तैयार होती है। यह संगाई एवं अन्य वन्यजीवों को चरने की जगह, प्रजनन स्थल और आवास प्रदान करती है। दिलचस्प यह है कि फुमदिस प्राकृतिक जल चक्र है यानी यह झील के तले तक डूब जाती है पौष्टिक तत्व जज्ब करने के लिए। फिर कुछ समय बाद ऊपर उठ जाती है। यह चक्र उसके बने रहने के लिए आवश्यक है। फुमदिस केवल वनस्पति का टुकड़ा नहीं है बल्कि जीवित स्ट्रक्चर है। यह एक मोटी परत होती है, जिस पर बड़े जानवर भी रहते हैं। इस पर जो घास उगती है वह पूरे साल यहां निवास करने वाले वन्य जीवों को आवश्यक पौष्टिक तत्व प्रदान करती है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

कई बार लोग प्रतिभावान और क्षमतावान होते हुए भी एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर कुछ बड़ा अचीव नहीं कर पाते। अगर लाइफ में कुछ बड़ा हासिल करना है तो अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे एक्सप्लोर करना जरूरी है। यह कैसे होगा, बता रहे हैं आपको।

अपनी छिपी स्ट्रेंथ को ऐसे करें एक्सप्लोर

हम अकसर अपने आपको एक मानसिक दायरे में बंद कर लेते हैं और फिर कुएं के मेंढक की तरह उस दायरे से बाहर निकलने की कोशिश ही नहीं करते। स्वयं द्वारा निर्मित अपनी मानसिक शारीरिक सीमाओं को अपनी वास्तविकता मान लेते हैं, जबकि वे केवल हमारे विचारों की उपज होती हैं। ऐसे में हम आगे नहीं बढ़ पाते। आगे बढ़ने और तरक्की करने के लिए जरूरी है अपनी क्षमता को एक्सप्लोर करना। इसका अर्थ है, अपने डर के पार जाना। जब आप स्वयं पर लगे 'लेबल' हटा देते हैं, तो आप पाते हैं कि आप उससे कहीं अधिक हैं, जितना आपने कभी सोचा था।

हमारे भीतर है असीमित क्षमताः हम अपनी क्षमताओं का केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल करते हैं। यह आपने अकसर पढ़ा या सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बाकी 90 प्रतिशत क्षमता का क्या होता है? वह बिना उपयोग के ही व्यर्थ के कामों में जाया हो जाती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इंसानी दिमाग की क्षमता का कोई अंत नहीं है। कैरोल ड्वेक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माइंडसेट' में बताती हैं, 'ग्रोथ माइंडसेट' के साथ, हम अपनी क्षमता को असीमित रूप से विकसित कर सकते हैं। जब हम यह मानते हैं कि हमारी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा को मेहनत और सीखने के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है, तो हम अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ सकते हैं।' अब्राहम मैस्लो, जो मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक माने जाते हैं, का मानना था कि हर इंसान में आत्म-वास्तविकीकरण की क्षमता होती है। यह वह अवस्था है, जहां हम अपनी पूरी क्षमता को पहचानते हैं और उसे हासिल करते हैं। उनके अनुसार, यह हम सभी की अंतर्निहित इच्छा होती है कि हम वह बनें, जो हम बनने के लिए सक्षम हैं।

लोगों का साथ लेंः हमारी क्षमता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। आधुनिक समाजशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से एक एमिल दुर्खीम का मत है कि कि हम सामाजिक संबंधों और सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग, हमारी संस्कृति और हमारा सामाजिक माहौल हमारी क्षमताओं को आकार दे सकते हैं। दूसरों की मदद लेने से ही नहीं, उनकी मदद करने से भी हमारी क्षमताएं बढ़ती हैं। प्रमुख समाजशास्त्री मैक्स वेबर का मानना था कि अनुशासित और केंद्रित मेहनत, जो कि एक सामाजिक गुण भी है, से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

कैसे करें अपनी क्षमता को एक्सप्लोरः अपनी असीमित क्षमता को एक्सप्लोर करने के लिए सबसे पहले, यह विश्वास करें कि आप में कुछ भी हासिल करने की क्षमता है। कभी भी नई चीजें सीखना न छोड़ें। नई किताबें पढ़ें और निरंतर नए अनुभव प्राप्त करें। कभी भी हार न मानें। अपनी असफलताओं से सीखें और आगे बढ़ें।

दिमाग के लचीलेपन का इस्तेमाल करें: जीनियस पैदा नहीं होते, गहन अभ्यास से जीनियस बनते हैं। प्रतिभा विकसित की जा सकती है। हमारा दिमाग लचीला होता है। इसका नियमित उपयोग और दिमागी मशक्कत करने से इसकी क्षमता निरंतर बढ़ती है। इस संबंध में जिम क्विक अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'लिमिटलेस' में लिखते हैं, 'अपने दिमाग को अपग्रेड करें, कुछ भी तेजी से सीखें और अपने असाधारण जीवन को अनलॉक करें।' उनका कहना है कि हम अपनी सोच (माइंडसेट), प्रेरणा (मोटिवेशन) और तरीकों (मेथड्स) में बदलाव करके अपनी दिमागी क्षमताओं को असीमित कर सकते हैं, जिसमें सीमाओं को चुनौती देना, नींद को प्राथमिकता देना और लगातार अभ्यास करना शामिल है, ताकि हम तेजी से सीख सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैं यह नहीं कर सकता, जैसे विचारों को 'मैं यह सीख सकता हूं' में बदलें। अपनी बुद्धि को स्थिर न मानें, यह बढ़ सकती है। *

अक्षय तृतीया विशेष

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है अक्षय तृतीया का पर्व। मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों का अक्षय फल मिलता है। इस पर्व की महत्ता, इससे जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं पर एक दृष्टि।

शुभ कार्यों का अक्षय फल प्रदान करती अक्षय तृतीया

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

भारतीय पंचांग में कुछ तिथियां पूरे जीवन-दर्शन को अपने भीतर समेटे रहती हैं। अक्षय तृतीया ऐसी ही एक विशिष्ट तिथि है, जो अक्षयता यानी कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि का प्रतीक बनकर उभरती है।

धार्मिक-पौराणिक मान्यताएंः अक्षय तृतीया की तिथि का धार्मिक और पौराणिक आधार भी इसे विशेष बनाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का जन्म हुआ था, जो धर्म और न्याय की स्थापना के प्रतीक माने जाते हैं। यह भी मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास ने महाभारत की रचना आरंभ की थी, जो भारतीय सभ्यता के नैतिक और दार्शनिक आधारों को समझने का सबसे बड़ा ग्रंथ है और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा द्वारा सच्चे भाव से दिए गए एक छोटे से दान के बदले उन्हें दो 'लोक' प्रदान कर दिए थे। इन सभी कथाओं का सार यही है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म कभी नष्ट नहीं होता।

सिखाती है जीने का संतुलित तरीकाः भारतीय संस्कृति में यह विचार बहुत गहराई तक समाया हुआ है कि संसार की हर भौतिक वस्तु नश्वर है। लेकिन सत्कर्म, करुणा और धर्म के फल अक्षय होते हैं। अक्षय तृतीया इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जीवन में किए गए अच्छे कर्म, दान, सद्भाव कभी व्यर्थ नहीं जाते, वे किसी न किसी रूप में अक्षय बने रहते हैं। यह हमें केवल पूजा-पाठ की संस्कृति ही नहीं सिखाती बल्कि जीवन जीने का एक संतुलित और संवेदनशील तरीका भी सिखाती है।

कृतज्ञता व्यक्त करने का दिनः अक्षय तृतीया पर्व जिस समय मनाया जाता है, वह रबी की फसल के पकने का समय होता है। खेतों में सुनहरी बालियां लहलहा रही होती हैं और किसान अपनी नई फसल को भगवान को अर्पित करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में देखा गया है और अक्षय तृतीया, प्रकृति के उस मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक महत्वः अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा केवल भौतिक समृद्धि का प्रतीक नहीं है बल्कि इस विश्वास का प्रतीक भी है कि आज किया गया निवेश भविष्य में स्थाई फल देगा। नए कार्यों की शुरुआत, गृह प्रवेश और विवाह आदि के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरा दिन ही शुभ-मुहूर्त वाला होता है।

दान-पुण्य और सेवा का संदेशः अक्षय तृतीया का महत्व केवल सोने-चांदी, आभूषणों या अन्य भौतिक वस्तुओं की खरीदारी तक ही सीमित नहीं है। इस दिन अन्न, जल, वस्त्र और कलश के दान करने की भी प्रथा है। गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना, भूखों को भोजन कराना, इस दिन ये सभी कार्य अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। ये परंपराएं हमें सिखाती हैं कि समाज में समृद्धि तभी अक्षय हो सकती है, जब हर किसी का उसमें हिस्सा हो। अक्षय तृतीया इसी सांस्कृतिक दर्शन के संतुलन का नाम है, जो बताती है कि सिर्फ भौतिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है।

शुभ कर्मों से मिलता है अक्षय फलः अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति की उस गहरी परंपरा से नाता रखती है, जहां धर्म, अर्थ, प्रकृति और समाज, चारों का सुंदर समन्वय होता है। यह तिथि हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारे कर्म सही दिशा में हैं, तो उनका फल कभी समाप्त नहीं होगा। वास्तव में यही अक्षयता का वास्तविक दर्शन है। एक ऐसा जीवन, जिसमें अच्छाई निरंतर प्रवाहित होती रहे। इस प्रकार देखें तो अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन की आत्मा का मूल है, जो हमें सिखाती है- जो भी शुभ करो, वह सदा के लिए अक्षय हो जाता है। *

प्रवृत्ति
शाहिद ए. चौधरी

ज्ञान-संस्कृति-विचारों की
नई खिड़की खोलती हैं किताबें

भले ही पढ़ने और लिखने की नई-नई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं, लेकिन किताबें हाथ में लेकर पढ़ने का सुख अनोखा होता है। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने और कॉपीराइट के प्रति जागरूक करने के लिए ही **23 अप्रैल को विश्व पुस्तक, कॉपीराइट दिवस** मनाते हैं। इस दिवस की महत्ता पर एक नजर।

किताबें खिड़की की तरह होती हैं, जिसमें से दिखाई देता है एक नया संसार। हर नए पृष्ठ के साथ किताबें परिचित कराती हैं- नए लोगों से, नई संस्कृतियों से और नए विचारों से। गांधीजी ने कहा था, 'विचारों के युद्ध में पुस्तक ही शस्त्र है।' शायद यही वजह है कि ई-बुक्स के इस दौर में भी अनेक लोगों को अच्छे कागज पर छपी, जिल्द में बंधी, किताब अपने हाथों में लेकर पढ़ना ही अच्छा लगता है। हालांकि ऐसे लोगों को शायद आज परंपरागत मूल्यों में यथास्थिति का पक्षधर माना जा सकता है। लेकिन इससे पुस्तकप्रेमियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किताबें पढ़ने की उनकी आदत जो बन गई है।

नई पीढ़ी हो रही किताबों से दूर

पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर एक पक्ष यह है कि रील्स और वीडियोज की आधुनिक चकाचौंध में गुम आज की पीढ़ी तो टेक्स्ट बुक्स की तुलना में नेट के वीडियो लेक्चर्स को वरीयता देती है। यह पीढ़ी किताब पढ़ने की बजाय ऑडियो-बुक्स को सुनना पसंद करती है। क्या पढ़ने और सुनने में समान एकाग्रता बनी रहती है और बराबर का ज्ञान मिलता है? इस पर बहस हो सकती है। बहरहाल, युवा पीढ़ी किताबों से जिस अंदाज से दूर हो रही है या उसे बंद कर रही है या उसे खोलना ही नहीं चाहती है, उस पर शम्स तबरेज का यह शेर याद आता है-

अजीब किस्म की उभरी थी शक्ल लफ्जों से
किताब बंद न करता तो डर गया होता।

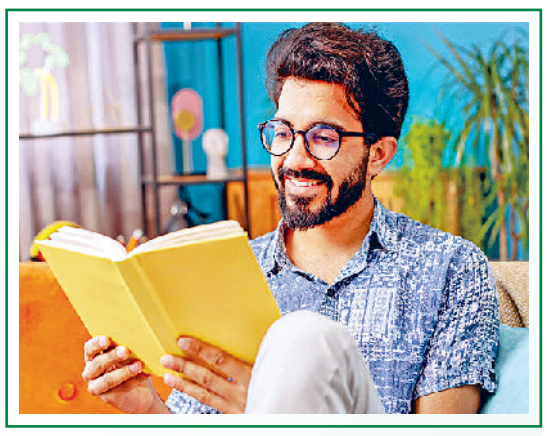

इसलिए मनाते हैं विश्व पुस्तक दिवस

किताबों से बढ़ती दूरी की पृष्ठभूमि में यूनेस्को की कोशिश है कि लोग किताबों को खोलें, उन्हें पढ़ें, उनमें अपनी दिलचस्पी बढ़ाएं और ज्ञानी बनें, क्योंकि किताबों से बढ़कर कोई पक्का दोस्त नहीं होता। किताबें पीढ़ियों के बीच में और संस्कृतियों के बीच में पुल का काम करती हैं। इसी तथ्य को मान्यता प्रदान करने के लिए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाता है।

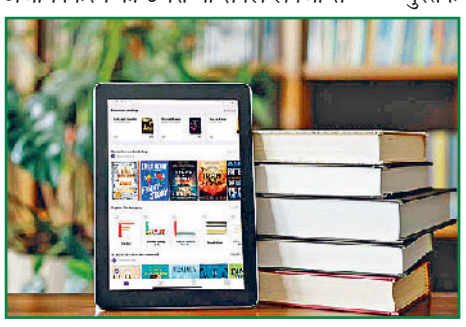

इस वर्ष के लिए चयनित पुस्तक राजधानी

हर साल इस जश्न को मनाने के लिए यूनेस्को व पुस्तक उद्योग के मुख्य सेक्टर्स- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। चुना हुआ शहर सभी आयु वर्गों और सभी समाजों में किताबों और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है, न सिर्फ मेजबान देश में बल्कि पूरे विश्व में। यूनेस्को ने अब तक 26 विश्व पुस्तक राजधानियां घोषित की हैं, जिनकी शुरुआत 2001 में मेड्रिड (स्पेन) से हुई थी। इस वर्ष 2026 की पुस्तक राजधानी रबात (मराकश) को चुना गया है। रबात में मेन फोकस, संस्कृतियों को जोड़ने में पुस्तकों की भूमिका पर होगा। इसके अलावा इस वर्ष पुस्तक दिवस का फोकस पढ़ने के साथ साक्षरता पर भी है, जिसमें पढ़ने के घंटे को भी प्राथमिकता दी गई है। आमतौर से शाम को 7 से 8 बजे तक का समय किताब पढ़ने के लिए मुफीद माना जाता है। यानी रोजाना कम से कम एक घंटा किताब पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित की जाए, इस पर फोकस किया जा रहा है।

नई चुनौतियां भी कम नहीं

इसके अतिरिक्त इस बात पर भी गंभीर चर्चा हो रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की लेखकों के लिए प्रकाशन और कॉपीराइट सुरक्षा में क्या भूमिका होनी चाहिए? यह गंभीर विषय है और पेचीदा भी। एआई कॉपीराइट की परवाह किए बिना किसी के भी कार्य को सार्वजनिक करने की क्षमता रखती है, जिससे लेखकों व प्रकाशकों को नुकसान की आशंका रहती है। लेकिन एआई को नियंत्रित करना भी आसान नहीं है। फिर भी कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही होगा। *

कॉपीराइट सुरक्षा पर भी केंद्रित है यह दिवस

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कॉपीराइट सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करना होता है, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है। भारत में कॉपीराइट सुरक्षा 1957 के कॉपीराइट कानून से संचालित होती है, जिसके तहत स्वतः ही मूल साहित्य, नाटक, संगीत, सिनेमेटोग्राफ फिल्म्स/साउंड रिकॉर्डिंग्स सुरक्षित हो जाती हैं। सुरक्षा के लिए पंजीकरण आवश्यक नहीं है, लेकिन विवाद की स्थिति में प्रथम दृष्टया इसे साक्ष्य माना जाता है। कॉपीराइट सुरक्षा आमतौर से लेखक के जीवनकाल और उसके बाद अतिरिक्त 60 वर्षों तक लागू रहती है। यह 60 साल लेखक की मृत्यु के दिन से गिने जाते हैं। कानूनी साक्ष्य के लिए पंजीकरण करा लेना चाहिए, भले ही वह वैकल्पिक हो। इसके लिए कॉपीराइट ऑफिस में अप्लाई करना होता है। फोटोग्राफ, फिल्म, साउंड रिकॉर्डिंग, अज्ञात व सरकारी कार्य का कॉपीराइट प्रकाशन के बाद 60 वर्षों तक रहता है। इस दौरान लेखक को एक्सक्लूसिव अधिकार होता है, अपने कार्य के पुनः प्रकाशन, कापियां जारी करने, परफॉर्म करने, अनुवाद करने या एडॉप्ट करने का। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में दोनों दीवानी (मुआवजा), आपराधिक सजा (6 माह से 3 वर्ष की कैद और जुर्माना) का प्रावधान है। सेक्शन 52 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद हैं जैसे निजी प्रयोग, शोध, आलोचना, समीक्षा या रिपोर्टिंग।